भारतीय विमानपत्त्न प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

भा.वि.प्रा. के हवाईअड्डों पर ग्राहक संतुष्टि- अध्यरक्ष महोदय भा.वि.प्रा. द्वारा एक दिवसीय वार्षिक निष्पाज्रदन समीक्षा समिति में विचार-विमर्श द्वारा रोडमैप बनाया जाना ।

15 मई 2014- नई दिल्लीा श्री आलोक सिन्हार, भा.प्र.से., अध्य क्ष भा.वि.प्रा. तथा संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय ने जनवरी 2014 में अध्य क्ष, भा.वि.प्रा. के पदग्रहण के पश्चा5त् भा.वि.प्रा. की प्रथम वार्षिक निष्पा ीदन समीक्षा समिति में भाग लिया । इस बैठक में बोर्ड के सभी सदस्यि मुख्यय सतर्कता अधिकारी के साथ-साथ सभी क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक, कोलकाता तथा चेन्ननई हवाईअड्डे के विमानपत्तेन निदेशक तथा निगमित मुख्यारलय के सभी विभागाध्येक्ष उपस्थित थे ।

भा.वि.प्रा. के हवाईअड्डों पर ग्राहक सेवाओं के मानकों में सुधार हेतु कार्रवाई योजना बनाने की चर्चा पर मुख्या बल दिया गया । सभी उपस्थित लोगों को यह स्पंष्टे किया गया कि निगमित मुख्याचलय की कोर टीम के अधिकारी प्रगति और सुधार के संबंध में नियमित रूप से मानीटरिंग करेंगे जो कि निगमित मुख्याअलय द्वारा विकसित मास्टबर प्लारन के मानदण्डोंन के अनुसार होगा ।

सदस्य् (प्रचालन) ने अपने स्वा ागत भाषण में सभी उपस्थित लोगों का स्वाणगत कर एक दिवसीय बैठक को संबोधित करते हुए अपने संबंधित क्षेत्रों के मुख्यग कार्यों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ एक टीम के रूप में कार्य करने पर जोर दिया तथा 4.5 के ए एस क्यू के लक्य्ि को प्राप्तं करने के ग्राहक संतुष्टि की निगमित रणनीति पर सामूहिक रूप से कार्य करने को कहा तथा भा.वि.प्रा. द्वारा 4.09 औसत रेटिंग प्राप्तर करने पर शुभकामनाएं दी जो कि विश्वत की औसत रेटिंग 4.07 से ऊपर है ।

सदस्यम (वित्तभ) ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए सूचित किया कि 2013-14 के दौरान भा.वि.प्रा. के राजस्वि में लगभग 15% तक वृद्धि आई है अर्थात् कर के पश्चामत् निवल लाभ लगभग रू. 796.36 करोड़ रूपये अर्जित किया गया जिससे 8.3% की वृद्धि देखने को मिली । लाभ के आंकड़ों को इंगित करते हुए सदस्यि (वित्तय) ने जोर देकर कहा कि भा.वि.प्रा. को अपने व्य य के आंकड़ों में निरंतर कमी करने की कोशिश करनी होगी तथा हमें कम से कम 20% तक कटौती करने का लक्ष्यक रखना होगा । इस लक्ष्यी को विभिन्ना उपायों के द्वारा प्राप्तं किया जा सकता है ।

सदस्य् (ए एन एस) ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय हवाईअड्डों तथा भारतीय वायुक्षेत्र के द्वारा सुरक्षित तथा निर्बाध हवाई यातायात की आवश्य कता पर बल दिया । उन्होंषने अंतरराष्ट्रीतय क्षेत्र में भा.वि.प्रा. के महत्वय पर प्रकाश डाला । उन्होंतने इस दिशा में भा.वि.प्रा. के कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की जिसके परिणामस्वभरूप जेन अवार्ड सहित प्रतिष्ठित संगठनों (लगातार दूसरे वर्ष) द्वारा अवार्ड तथा सराहनाएँ प्राप्तव हुई ।

सदस्या (योजना) ने देश में अधिक से अधिक हवाईअड्डों के निर्माण की आवश्यवकता पर जोर दिया विशेषकर उस समय जब आने वाले समय में नागर विमानन में संपर्कता की थीम होगी । उन्होंकने देश में कम लागत के हवाईअड्डों की आवश्यसकता पर जोर दिया । उन्होंगने न केवल उत्स र्जन में कमी के प्रयोजन से पर्यावरण-हितैषी उपायों को अपनाने पर जोर दिया बल्कि यह भी बताया कि इससे ऊर्जा खपत में बचत के माध्यपम से वित्तीषय लाभ भी होंगे । इस पर चर्चा करते हुए उन्होंपने कई उपाय बताएं जिन्हेंस अधिकारी अपनी-अपनी इकाईयों में लागू कर सकते हैं ।

सदस्यइ (मानव संसाधन) ने बताया कि मानव संसाधन किसी भी संगठन का मुख्यन संसाधन होता है । यह बहुत महत्वंपूर्ण है कि इकाई प्रभारी, इकाईयों के कर्मचारियों और निगमित मुख्याैलय में प्रभावी संप्रेषण हों । उन्हों्ने सूचित किया कि इस दिशा में मानव संसाधन विभाग ने एक अवधि के समय में 250 अनुदेश जारी किए हैं । उन्हों□ने विशेष बल देते हुए कहा कि मानव संसाधन विभाग ने पद विलय वरिष्ठरता में वरिष्ठिता के विलय के मैराथन कार्य को बहुत सफल और प्रभावी ढंग पूर्ण किया गया । लगभग 1200 डी पी सी आयोजित की । उन्होंतने यह भी सूचित किया कि मानव संसाधन विभाग ने मानव संसाधन नियमावली संकलित की तथा मानव संसाधन चार्टर जारी किया जो कि निगमित आवश्यमकताओं की पूर्ति में मील का पत्थरर साबित होगा ।

निष्पा दन समीक्षा बैठक की थीम अर्थात् 'ग्राहक संतुष्टि' को उचित ठहराते हुए मुख्यअ सतर्कता अधिकारी ने कहा कि किसी भी संगठन में निष्पा◌ादन न किए जाने का कोई बहाना नहीं होता विशेषकर भा.वि.प्रा. जो कि एक सेवा संगठन है तथा हमारे ग्राहक अर्थात् यात्री बहुत संवेदनशील हैं तथा ऐसा होते हुए हमें निरंतर उत्कृष्टस ग्राहक संतुष्टि रेटिंग तथा क्रिया-कलापों हेतु निरंतर कार्य करना होगा ।

अध्ययक्ष महोदय भा.वि.प्रा. ने चर्चा के दौरान तथा अपने समापन संबोधन में भा.वि.प्रा. के हवाईअड्डों पर ग्राहक संतुष्टि के महत्व पर जोर दिया तथा आगे बताया कि भा.वि.प्रा., ए एस क्यू ग्राहक संतुष्टि में सुधार हेतु सतत् प्रयासरत है जोकि हवाईअड्डों पर ग्राहक संतुष्टि का अंतरराष्ट्रींय मापदंड है तथा उन्हों ने आशा व्यंक्तु की कि सभी निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त् करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करेंगे ।

एक दिवसीय चर्चा के पश्चा्त् खेलकूद नियंत्रण बोर्ड की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा भा.वि.प्रा. द्वारा खेलकूद के क्षेत्र में आगामी वर्ष की कार्रवाई योजना बनाई गई ।

जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत विवरण हेतु कृपया संपर्क करें :
महा
प्रबंधक (जनसंपर्क) 9810025069, 011-24622787
सं. 10/2014-15

श्री आलोक सिन्हा1, भा.प्र.से., अध्य-क्ष भा.वि.प्रा. तथा संयुक्तस सचिव, नागर विमानन मंत्रालय ने 29 अप्रैल, 2014 को राजीव गांधी भवन में भा.वि.प्रा. में ग्राहक संतुष्टि थीम पर निष्पानदन समीक्षा बैठक ली इसमें बोर्ड के सभी सदस्यो, मुख्य- सतर्कता अधिकारी, विभागाध्यनक्ष तथा क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक/ विमानपत्तनन निदेशक उपस्थित थे ।